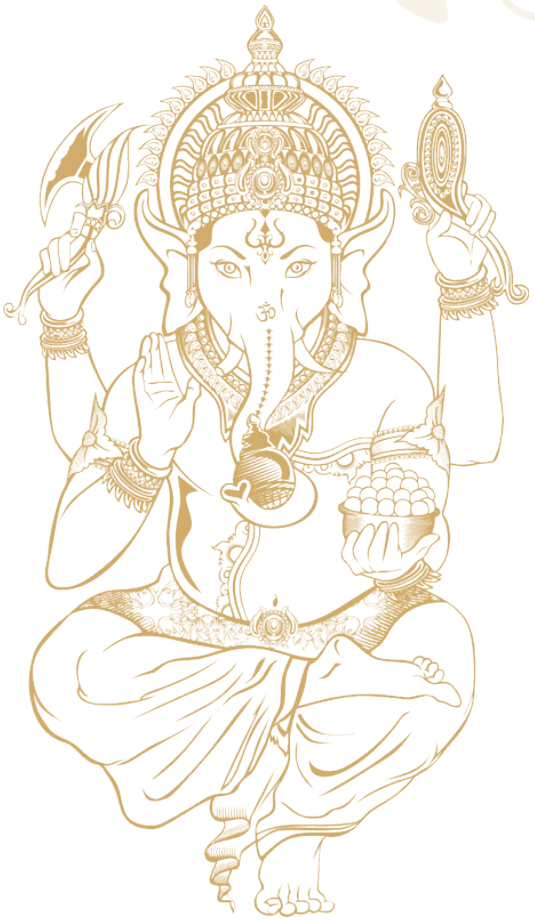

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24-25/09/1995	जन्म तिथि	25/08/1996
रवि-सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 05:00:00	जन्म समय	18:21:00 घंटे
घटी 57:00:28	जन्म समय(घटी)	31:03:43 घटी
India	देश	India
Ambala	स्थान	Ambala
30:19:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
76:49:00 पूर्व	रेखांश	76:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:44	स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:11:48	सूर्योदय	05:55:30
18:16:23	सूर्यास्त	18:53:27
23:47:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 9वर्ष 2मा 8दि	21:08:02	सिंह	लग्न	मक	29:11:26	शुक्र 4वर्ष 8मा 6दि
राहु	07:38:25	कन्या	सूर्य	सिंह	08:46:43	राहु
03/12/2011	11:04:52	कन्या	चंद्र	धनु	23:32:40	02/05/2024
02/12/2029	18:05:10	तुला	मंगल	मिथु	26:27:56	02/05/2042
राहु 15/08/2014	26:00:12	कन्या व	बुध	कन्या	05:41:13	राहु 13/01/2027
गुरु 08/01/2017	15:45:59	वृश्चि	गुरु व	धनु	14:08:19	गुरु 07/06/2029
शनि 15/11/2019	17:06:22	कन्या	शुक्र	मिथु	23:06:28	शनि 13/04/2032
बुध 03/06/2022	26:44:55	कुंभ व	शनि व	मीन	12:26:45	बुध 01/11/2034
केतु 21/06/2023	02:46:41	तुला व	राहु व	कन्या	14:42:54	केतु 19/11/2035
शुक्र 21/06/2026	02:46:41	मेष व	केतु व	मीन	14:42:54	शुक्र 19/11/2038
सूर्य 16/05/2027	02:46:55	मक व	हर्ष व	मक	07:37:34	सूर्य 14/10/2039
चन्द्र 14/11/2028	29:00:11	धनु व	नेप व	मक	01:37:08	चन्द्र 14/04/2041
मंगल 02/12/2029	04:37:58	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	06:35:08	मंगल 02/05/2042

लग्न-चलित

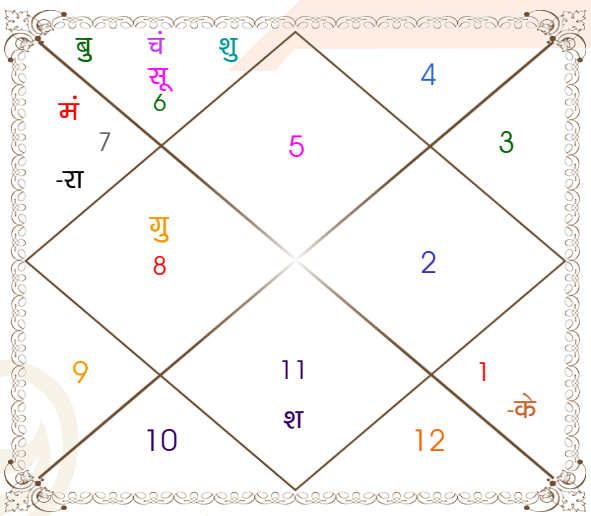

लग्न-चलित

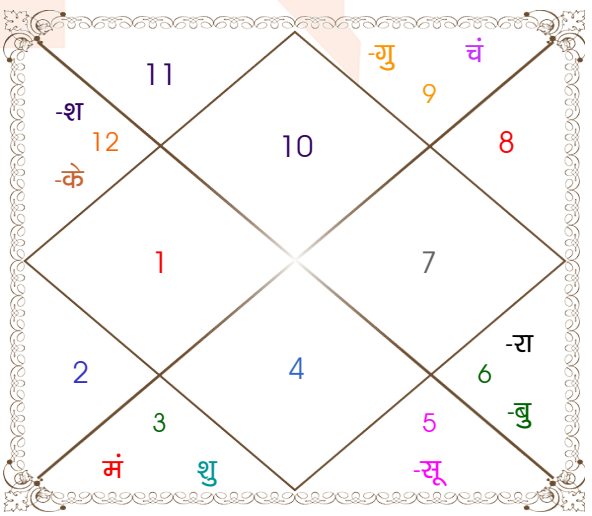

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।